भारत सरकार
विदेश मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या - 2084
दिनांक 01.08.2025 को उत्तर दिए जाने के लिए

सैन्य सहायता के संबंध में अमेरिका के साथ संबंध

2084. श्री बलवंत बसवंत वानखडेः

क्या **विदेश** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या फरवरी में अमेरिकी राष्ट्रपति द्वारा की गई घोषणा के बाद भारत को एफ-35 लड़ाकू विमानों की बिक्री के संबंध में संयुक्त राज्य अमेरिका से कोई आधिकारिक प्रस्ताव प्राप्त हुआ था;
(ख) भारत और पाकिस्तान के बीच शत्रुता रोकने में अमेरिकी राजनयिकों की भूमिका क्या है; और
(ग) क्या सरकार ने रणनीतिक निहितार्थों, विशेष रूप से तीसरे पक्ष की मध्यस्थता वाली संघर्ष की स्थिति में, भारत की विदेश नीति की स्वायत्तता और अमेरिकी सैन्य सहायता प्रस्ताव के बीच संबंध की समीक्षा की है?

उत्तर
विदेश राज्य मंत्री
(श्री कीर्तवर्धन सिंह)

(क) 13 फ़रवरी 2025 को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ प्रधानमंत्री की बैठक के बाद जारी भारत-अमेरिका संयुक्त वक्तव्य में उल्लेख किया गया है कि अमेरिका भारत को पाँचवीं पीढ़ी के लड़ाकू विमान (जैसे एफ-35) और समुद्री प्रणालियाँ प्रदान करने के संबंध में अपनी नीति की समीक्षा करेगा। इस मुद्दे पर अभी तक कोई औपचारिक चर्चा नहीं हुई है।

(ख) से (ग) 22 अप्रैल, जब पहलगाम में आतंकवादी हमला हुआ, से लेकर 10 मई तक, विभिन्न देशों के साथ, विभिन्न स्तरों पर अनेक कूटनीतिक वार्ताएं हुईं, जिनमें संयुक्त राज्य अमेरिका भी शामिल था। हमारे सभी वार्ताकारों को एक ही संदेश दिया गया कि भारत का दृष्टिकोण केंद्रित, संतुलित और तनाव न बढ़ाने वाला है। संयुक्त राज्य अमेरिका के विशेष संदर्भ में, 9 मई को उपराष्ट्रपति जेडी वेंस को बताया गया कि यदि पाकिस्तान कोई बड़ा हमला करता है तो भारत उसका उचित जवाब देगा। सैन्य कार्रवाई रोकने के संबंध में चर्चा दोनों सशस्त्र बलों के बीच मौजूदा संचार माध्यमों के माध्यम से सीधे भारत और पाकिस्तान के बीच हुई, और इसकी शुरुआत पाकिस्तान के अनुरोध पर हुई।

जहाँ तक किसी तीसरे पक्ष की मध्यस्थता के प्रस्ताव का प्रश्न है, हमारी दीर्घकालिक स्थिति यही रही है कि पाकिस्तान के साथ किसी भी लंबित मुद्दे पर केवल द्विपक्षीय रूप से ही चर्चा की जाएगी। इसे सभी देशों को स्पष्ट कर दिया गया है और प्रधानमंत्री द्वारा अमेरिकी राष्ट्रपति को भी इससे अवगत करा दिया गया है।

भारत-अमेरिका व्यापक वैश्विक रणनीतिक साझेदारी हमारे नागरिकों के बीच आपसी विश्वास, साझा हितों, सद्भावना और मज़बूत संबंधों पर आधारित है। इस साझेदारी को बढ़ती रणनीतिक सहभागिता और सहयोग से भी लाभ हुआ है। भारत सरकार, भारत के राष्ट्रीय हित और रणनीतिक स्वायत्तता के प्रति प्रतिबद्धता के दृष्टिकोण से, रक्षा और रणनीतिक क्षेत्रों सहित अपनी सभी बाह्य साझेदारियों का बारीकी से मूल्यांकन करती है।

*****